Public Opinion

Meaning and Nature of Public opinion

आज के युग में जनमत का विशेष महत्व है। किसी भी नेता या व्यक्ति के लिए जनमत महत्वपूर्ण सामाजिक राजनैतिक परिस्थितियों का कार्य करता है। आज दुनिया के लगभग कुछ देशों को छोड़कर शेष सभी में जनमत के आधार पर शासन व्यवस्थाएँ चल रही हैं। जहाँ पर अभी तक यह प्रणाली नहीं लागू हो पायी है वहाँ भी लोगों ने इसके बारे में सोचना शुरू कर दिया है। आज स्थिति यह है कि प्रत्येक देश की जनता इतनी जागरूक हो चुकी है कि उसकी इच्छाओं की अवहेलना करके कोई लम्बे समय तक शासन नहीं चला पा रहा है।

जनमत शब्द की रचना जन + मत से हुई है। 'जन' का अर्थ असंगठित जनसमूह है, जैसे- आम जनता (गिन्सबर्ग, 1954) Ginsberg के अनुसार "जनता ऐसा समुदाय है जो आकारहीन, असंगठित होता है किन्तु मत तथा इच्छा में समानता पाई जाती है, परन्तु व्यापकता के कारण लोगों में व्यक्तिगत संबंध संभव नहीं हो पाता है।" इसी प्रकार मत का तात्पर्य ऐसे विचार, विश्वास, या घटना से है जिसके बारे में पूर्ण निश्चितता नहीं पाई जाती है। जैसे किसी बात से कुछ लोग सहमत हो सकते हैं, परन्तु कुछ असहमत भी हो सकते हैं। (K. Young, 1960)

Nature

Akalkar (1960) के अनुसार "किसी निश्चित समस्या के बारे में अधिकांश लोगों द्वारा व्यक्त या धारण किया गया विचार ही जनमत है।"

Ginsberg (1954) के अनुसार "किसी समुदाय में प्रचलित या शक्तिशाली विचारों एवं निर्णयों की संहति (समूह) को जनमत कहते हैं। जनमत अधिक या कम सीमा तक प्रतिपादित (formulated) होता है। इसमें कुछ स्थायित्व पाया जाता है और जनमत के धारक उसके स्वरूप को सामाजिक मानते हैं क्योंकि उत्पत्ति अनेक समान प्रकार की मानसिक क्रियाओं के परिणामस्वरूप होती है।"

K. Young (किम्बल यंग, 1960) के अनुसार "किसी समय पर जनता द्वारा व्यक्त किया गया मत को जनमत कहा जाता है।"

इस प्रकार यह स्पष्ट है कि जनमत एक ऐसा मत है जिसके पक्ष में अधिकांश लोग या बहुसंख्यक लोग होते हैं। यह जनता के हित तथा कल्याण से संबंधित होता है। जनमत का अर्थ सम्पूर्ण जनसंख्या का मत नहीं है। जनमत समय तथा परिस्थिति के अनुसार बदलता रहता है। इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित

इस प्रकार है।

Characteristics of Public opinion

(1) जनमत किसी विशेष समय पर लोगों का दृष्टिकोण है।
(2) जनमत का स्वरूप सामाजिक होता है।
(3) जनमत का प्रभाव लोगों पर पड़ता है।
(4) जनमत किसी सार्वजनिक समस्या या महत्व की बात से ही संबंधित
(5) जनमत का स्वरूप व्यक्तिगत न होकर सामाजिक होता है।
(6) जनमत की उत्पत्ति प्रत्येक लोगों के समान सामाजिक क्रियाओं के परिणाम स्वरूप होती है।
(7) जनमत एक प्रकार का विश्वास या आस्था है।
(8) जनमत में कुछ स्थायित्व पाया जाता है।
(9) कुछ स्थायित्व होते हुए भी समयानुसार जनमत में परिवर्तन आ सकता है, अर्थात जनमत परिवर्तनशील होता है।
(10) जनमत बहुसंख्यक निर्णय होता है न कि पूरी जनसंख्या का निर्णय।
(11) चूंकि इसकी उत्पत्ति सामूहिक परिस्थितियों में होती है, इसलिए यह लोगों का सामान्य मत होता है।
(12) जनमत बहुधा तर्क के आधार पर बनता है। परन्तु कभी-कभी जनमत का निर्माण तर्कविहीन भी हो सकता है।
(13) जनमत पर सांस्कृतिक मूल्यों का प्रभाव पड़ता है।
(14) जनमत उच्च पदों पर आसीन व्यक्तियों का प्रभाव पड़ सकता है, जैसे - चुनाव के समय प्रत्याशीगण अपने-अपने क्षेत्र नेताओं को अपने-अपने क्षेत्रों में जाने का प्रचार करते हैं।
(15) जनमत में वाद-विवाद का महत्वपूर्ण स्थान है।

Process of formation of public opinion

जनमत के निर्माण को एक प्रक्रिया के रूप में लेना चाहिए क्योंकि इसका निर्माण अचानक न होकर कुछ समय में तथा तर्क-वितर्क करने के बाद ही होता है। इस प्रकार यह स्पष्ट है कि जनमत सामने आने से पहले कई अवस्थाओं या प्रक्रियाओं से गुजरता है। (K. Young, 1960)

(1) Problem → जनमत के निर्माण की क्रिया तभी शुरू होती है जब जनता के सामने कोई सार्वजनिक, महत्व की बात या समस्या खड़ी होती है। जब समस्या खड़ी होने पर लोग उस पर विचार-विमर्श करके अपना निर्णय देते हैं। जैसे, चुनाव के समय लोगों के सामने यह समस्या उत्पन्न होती है कि किस पार्टी को वोट दिया जाय या फिर कोई समस्या - शिक्षा, बेरोजगारी, परिवार नियोजन, बिजली-पानी का प्रबंध आदि से संबंधित हो सकता है।

(2) Exploratory Stage (अन्वेषणात्मक अवस्था) → [illegible]

[illegible]

(i) समस्या का [illegible] अभाव।

(ii) समस्या के [illegible] की जानकारी का अभाव।

(3) Suggestions for Solution (समाधान के लिए सुझाव) → समस्या के [illegible]

[illegible] सुझाव [illegible]

(4) The Stage of Consensus (एवं सहमति की अवस्था) → अन्वेषण एवं [illegible]

[illegible]

(5) Action According to Consensus (सहमति के अनुसार क्रियान्वयन) → [illegible]

[illegible] (Sargent and Williams, 1958) [illegible]